has to be charged and the balance sheet will have to reflect that."

THE DEPUTY CHAIRMAN: Shri Mohammed Afzal.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: मिनिस्टर साहब से मैं यह जानना चाहता हू जो बहुत ही अहम सवाल पूछा है कि सिर्फ पांच दिन के अन्दर एक ही कम्पनी के तीन हेलीकोप्टर चाहे उनका हाससा हुआ या जो भी बताया गया है, तो क्या आपको इसमें लगता है कि कोई फाउल ले ऐसा पहले कभी हुआ है ? दूसरी बात, जो आपने 19 हेलीकोप्टर के बारे में कही है, तो क्या मंत्री जी के पास इसकी डिटेल्स हैं कि 19 हेलीकोप्टर चाहे वह हादसा हुआ हो या कोई इन्सीडेंट हुआ हो, एक लाख से ऊपर उनका डेमेज कितनी बार हुआ और उसका टोटल लौस अब तक कितना है ?

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: منسٹر صاحب سے میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ جو بہت ہی اہم سوال پوچھا ہے کہ صرف پانچ دن کے اندر ایک ہی کمپنی کے تین ہیلی کوپٹر چاہے ان کا حادثہ ہوا یا جو بھی بنایا گیا ہے تو کیا آپ کو اس میں لگتا ہے کہ کوئی فاؤل پلے ایسا پہلے کبھی ہوا ہے۔

دوسری بات۔ جو آپنے 19 ہیلی کوپٹر کے بارے میں کہی ہے تو کیا منتری جی کے پاس اس کی ڈیٹیلس ہیں کہ 19 ہیلی کوپٹر چاہے وہ حادثہ ہوا ہو یا کوئی انسیڈنٹ ہوا ہو۔ ایک لاکھ سے اوپر ان کا ڈیمیج کتنی بار ہوا اور اس کا ٹوٹل لوس اب تک کتنا ہے۔

†Transliteration in Arabic Script.

SHRI M.O.H. FAROOK: Sir, the total loss has been given in the answer itself. But as far as the other 19 helicopters are concerned, they are in good order and they are working and we have deployed them for the service of various companies.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question No. 83.

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: Madam, I have asked for...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question No. 83.

Metering of Local Calls beyond 5 minutes

*83. SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that M.T.N.L has recently, introduced the system of time metering on local calls beyond 5 minutes;

(b) if so, whether it is a fact that numerous subscriber organisations, individuals and elected representative have protested against the introduction of this 5 minutes call system; and

(c) if so, what steps Government have taken to discontinue this scheme?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) Yes, Sir.

(b) Some representations have been received.

(c) The Department has examined them. Since this scheme gives an advantage of decongestion resulting in better efficiency. It is not proposed to discontinue the same.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Madam, the question is a matter of

great public interest and importance because in the country everyone doesn't have telephone and if you are putting a 5-minute limit on a telephone call and the telephones are beeping, it means by the time you call the person from the neighbourhood the phone gets disconnected. Add to it, the state of the telephones being what they are, getting a number itself is very, very tough. Therefore, I would like to know from the Minister whether the Government has stuck to this 5-minute limit on some calculations after some analysis or survey or it is just an arbitrary fixing of 5 minutes.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI RAJESH PILOT): Let me agree with the hon. Member's observation and that is what has delayed the decision for the last four years. It was initiated in 1988. Discussions in various for a and observations were made and I was just informing the hon. Member before I came to the House that even when he was supporting the Government the same efforts were made. Now, we have a Social Data Panel which is headed by the retired Chief Justice of India, Shri Bhagwati, and the other three or four members are very prominent citizens. They also went round the country and we thought that to decongest ..(*Interruptions*)... It is a problem today that by the time you call a person it is cut. It is also problem when Shri Subramanian Swamy is talking to Chandra Shekharji or somebody. Nobody can talk for half-an-hour. Then that line gets engaged That is also a problem.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: I am not talking about Mr. Hegde. Mr. Kaldate may get excited.

SHRI RAJESH PILOT: It is also a problem. It was the suggestion initially in every forum to have a three-minute duration. I had a very detailed discussion with the Consultative Committee, all Members of Parliament, and it was discussed that we should have a trial of 5 minutes. Five minutes is a very reasonable time to convey your message. Telephone is basically meant to convey a message. (*Interruptions*)... It will also help Manmohan Singhji to reduce all that is happening these days. They carry on talking half-an-hour from Bombay to Calcutta and Calctuta to Bombay. So, all these methods will help the nation. That is why we took a decision. It has been appreciated all over the country. We have got a very good response from all over the country. I assure the hon. Member that on this requirement we have already taken a decision and we will reduce the waiting list at the earliest and nobody will be deprived of this facility.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Madam, my second supplementary is whether there is any other country in the world which has this 5-minute limit.

SHRI RAJESH PILOT: There are many countries where a 3-minute call system has been introduced. But here we have introduced. But here we have introduced a 5 minute call system knowing that people have to come from neighbourhood to attend calls. Otherwise, all over the world there is a 3-minute call system. I think there are about 30 to 35 countries who have implemented this system.

श्री प्रमोद महाजन : उपसभापति महोदया, जैसे पेट्रोल का दाम बढ़ाने से उसकी खपत कम नहीं होती, वैसे 5 मिनट मीटर करने से टेलीफोन का संकुलन खत्म नहीं होता । आपकी जानकारी गलत है, 5 मिनट के बाद टेलीफोन कट नहीं होता है । जिनको घंटों बोलना है और जो अफोर्ड कर सकते हैं वह आज भी उस पर घंटों बोल सकते हैं । इसलिए पैसा बढ़ाने का यह बहाना है । इसमें संकुलन घटने का कोई सवाल नहीं है ।

जहां तक एम०टी०एन०एल० की कार्यकुशलता का सवाल है, मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि मैं एम०टी०एन०एल० के दोनों नगरों में पहता हूं । एम०टी०एन० एल० का अर्थ महानगर टेलीफोन निगम नहीं है, ग्राहकों के लिए तो इसका अर्थ "मेरा टेलीफोन नहीं लगता है" इसका दूसरा कोई अर्थ नहीं है । इसलिए इस स्थिति में जब एम०टी०एन०एल० "मेरा टेलीफोन नहीं लगता" बन चुका है, ग्राहकों को राहत देने की दृष्टि से क्या मंत्री महोदय 5 मिनट की समाप्ति पर कोई बीप साउंड दिलवाकर सूचित करेंगे कि उसके 5 मिनट समाप्त हो चुके हैं और दूसरा कॉल मीटर हो रहा है क्योंकि उसको पता ही नहीं चलेगा कि छठा मिनट है सातवां मिनट है । इसलिए मैं पूछना चाहूंगा कि क्या 5 मिनट के बाद बीप साउंड के द्वारा सूचित किया जाए कि आपके 5 मिनट खत्म हो गए और दूसरा कॉल शुरू हो रहा है ।

दूसरी बात यह है कि जहां हम एस०टी०डी० में दिन का अलग रेट लगाते हैं, सुबह से शाम का अलग रेट लगाते हैं और रात का अलग रेट लगाते हैं, एक दो चार इस प्रकार उसकी मीटरिंग होती है तो अगर आप संकुलन कम करने के लिए यह कर रहे हैं तो क्या स्थानिक कालों के लिए भी सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे तक 5 मिनट का कॉल, अरली मानिंग और लेट ईवनिंग 10 मिनट का कॉल और रात में 20 मिनट का कॉल आप करना चाहते हैं ?

श्री पर्धनर्नेनि उपेन्द्र : रात में ज्यादा लगेगा ।

श्री राजेश पायलट : मैडम, यह तो माननीय सदस्य के व्यक्तिगत विचार हैं । हमारा विभाग एक सेवा का विभाग है और जितनी भी सेवा होती है उसमें कहीं न कहीं कमियां रहती हैं । जब मैं विभाग की बात करता हूं तो एक्सर्नल अफेयर्स, कामर्स आदि उतने सेवा के विभाग नहीं हैं जितना यह विभाग है क्योंकि यह लोगों की सेवा में आता है । ऐसे तो माधव राव सिंधिया जी का विभाग, सिविल ऐविएशन का विभाग सेवा का विभाग है लेकिन कामन मैन के काम का उतना नहीं है जितना डाक का विभाग है या टेलीफोन का विभाग है, यह मेरा तात्पर्य था ।

श्री प्रमोद महाजन : उससे होम अच्छा है पुलिस वाले बहुत सेवा करते हैं ।

श्री राजेश पायलट : यह माननीय सदस्य के अपने विचार है । हमने कोशिश की है सुधार लाने की और उसमें तरह-तरह के कोरम खोले हैं, अफसरों को हिदायत दी है कि हर तीन महीने में एस०डी०ओ० अपने लेवल पर जनता की शिकायतें सुनें और उनको दूर करने की कोशिश करें । जितने भी सुधार के कदम हमने उठाए हैं, मैं नहीं समझता कि इनका असर एकदम हो जायगा क्योंकि कुछ भूटियां ऐसी थीं कि कल्चर में सुधार लाने के लिए लगातार प्रयासों की जरूरत है ।

दूसरी बात माननीय सदस्य ने टाइम के बारे में कही कि कोई ऐसी बीप आए जिससे आदमी को पता लगे । इसके बारे में मैंने उनसे बात की है और यह जरूरी भी है । जिससे साईकोलोजिकली आदमी को पता रहे कि 5 मिनट हो गए हैं और उसके लिए हम देख रहे हैं कि यह टेक्नीकली फीजिबल है या नहीं ।

तीसरी बात यह है कि अभी तो हम इसको सारे देश में लागू नहीं कर पाए हैं । सिर्फ इलेक्ट्रोनिक एक्सचेंज में लागू कर पाए है, दूसरी डिवाईस में यह नहीं है । यह सब जगह नहीं लग रहा, जहां 5000 लाइनें है वहां नहीं लगा पा रहे हैं, जहां 30000 से ऊपर कैपेसिटी है वहां पर इसको लागू कर रहे हैं सारे देश में । माननीय सदस्य ने रेट्स के बारे में भी कहा कि जैसे एस०टी०डी० के रेटस हैं ऐसा हो

जाए । ऐसा हम नहीं कर रहे हैं क्योंकि जो हमारा मकसद था वह इससे सर्व नहीं होगा। फिर रात को एक्सचेंज ब्लाक हुआ करेंगे ।

श्री प्रमोद महाजन : फिर आप एस० टी० डी० में क्यों करते हैं ? दिनभर एक ही रेट लगा दीजिए । कनैक्शन कम करना है तो जैसे एस०टी०डी० में है वैसे लोकल कॉल्स में कर दीजिए ।

श्री राजेश पायलट : आपके विचार मैंने ध्यानपूर्वक सुने । मैं इस बारे में सोचूंगा और इसमें क्या कुछ हो सकता है, वह मैं आपको इत्तला करूंगा ।

उपसभापति : सैयद सिब्ते रजी । आई थिंक अब इसमें कुछ नहीं है ।

श्री सैयद सिब्ते रजी : एक बात मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि क्या मंत्री जी बताएंगे कि वह कौन-कौन से नगर हैं जहां आपने इंट्रोड्यूस कर दिया है और नंबर दो जैसा महाजन जी ने कहा कि डिस्करेज करना चाहिए कि लंबी बात ज्यादा देर तक नहीं चलनी चाहिए । तो क्या इस बात पर भी विचार हो रहा है कि अगर 5 मिनट के बाद बात होगी तो रेट्स उससे कुछ बढ़ जाएंगे ?

श्री राजेश पायलट : हमने हिदायत मंदी थी कि 16 जून से यह स्कीम लागू होनी चाहिए लागू 31 जुलाई तक सारे देश में लागू हो जानी चाहिए जहां पर यह स्कीम लागू की गई है वे शहर हैं—दिल्ली, बंबई, कलकत्ता, मद्रास, अहमदाबाद, बंगलौर, सूरत, बड़ौदा, राजकोट, गाजियाबाद, लुधियाना, कानपुर, जबलपुर, भोपाल, इंदौर, लखनऊ, त्रिवेन्द्रम, नागपुर, अमृतसर, पटना, 22 ऐसी जगह हैं जहां लागू हो गई है और बाकी जगह 31 जुलाई तक लागू होने के आदेश हैं ।

दूसरा सवाल माननीय सदस्य का था कि 5 मिनट के बाद क्या रेट बढ़ जाएगा ? ऐसा कुछ नहीं है पांच मिनट की एक यूनिट हो जाएगी लेकिन रेट वही रहेगा । अगर आप 20 मिनट बात करेंगे तो चार यूनिट चार्ज की जाएंगी, रेट उसी हिसाब से है, उसमें कोई बढ़ोतरी नहीं है ।

हिमाचल प्रदेश में मुख्य डाकघरों के भवनों का निर्माण

*84. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1991-92 और 1992-93 के वर्षों के दौरान हिमाचल प्रदेश के किन-किन शहरों में मुख्य डाकघरों के भवनों के निर्माण के लिए पोस्टमास्टर जनरल (महा डाकपाल) हिमाचल परिमंडल धनराशि उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध किया था ;

(ख) किन-किन मुख्य डाकघरों के मामले में भवन निर्माण हेतु स्वीकृति प्रदान की गई तथा प्रत्येक मामले में स्वीकृति किस-किस तारीख को दी गई ; और

(ग) किन-किन स्थानों पर निर्माण कार्य चल रहा है और किन-किन स्थानों पर वर्ष 1992-93 में निर्माण कार्य शुरू किए जाने की योजना है ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) The names of the cities of Himachal Pradesh in respect of which the Postmaster General Himachal Pradesh Circle had urged for provision of funds for the construction of Head Post Office buliding during 1991-92 and 1992-93 are:

(1) Nahan

(2) Rekong Peo

(3) Kullu.

(b) Stations for building construction